

प्रेषक,

एस0एस0वल्दिया,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
सूचना एवं लोक संपर्क विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

सूचना अनुभाग

देहरादून: दिनांक 19 नवम्बर, 2010

विषय:- वित्तीय वर्ष-2010-11 के प्रथम अनुपूरक में प्राविधानित धनराशि की स्वीकृति निर्गत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-187/XXVII(1)/2010, दिनांक 30 मार्च, 2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून हेतु वर्ष 2010-11 के प्रथम अनुपूरक अनुदान में अनुदान संख्या-14 के लेखाशीर्षक-2220-सूचना तथा प्रचार के आयोजनेत्तर पक्ष में ₹ 1120.18 लाख (१ ग्या रह करोड़ बीस लाख अठ्ठारह हजार मात्र) की धनराशि निम्न विवरणानुसार व्यय करने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि ₹0 हजार में)

लेखाशीर्षक/उपलेखाशीर्षक	मानक मद	स्वीकृत की जा रही धनराशि
1	2	3
2220-सूचना तथा प्रसार 60-अन्य 101-विज्ञापन तथा दृश्य प्रचार 05-अधिष्ठान	19-विज्ञापन, बिक्री और विख्यापन व्यय	110000
	योग	110000
2220-सूचना तथा प्रसार 60-अन्य 106-क्षेत्र प्रचार 03-अधिष्ठान	01-वेतन 02-मजदूरी 04-यात्रा व्यय 08-कार्यालय व्यय 09-विद्युत देय 10-जलकर/जल प्रभार 11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई 15-गड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद 17-किराया, उपशुल्क और कर-स्वामित्व	600 500 100 60 60 40 50 600 8
	योग	2018
	महायोग	112018

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसी व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारियों की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय संबंधित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये।

- 3- धनराशि उसी मद में व्यय किया जाये जिसके लिये स्वीकृत की जा रही हो। व्यय में मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों एवं उक्त शासनादेश दिनांक 30 मार्च, 2010 में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय एवं वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।
- 4- वित्तीय वर्ष 2010-11 में इसके पूर्ववर्ती वर्षों के एरियर भुगतान यदि कोई हो तो उसके विवरण की सूचना विभाग द्वारा अलग से रखी जायेगी।
- 5- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2010-11 के प्रथम अनुपूरक में प्राविधानित अनुदान संख्या-14 के अंतर्गत लेखाशीर्षक-2220-सूचना तथा प्रचार के अंतर्गत उपर्युक्त तालिका में इंगित लेखाशीर्षकों/मानक मदों के नामे डाला जायेगा।
- 6- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या- 528 NP /XXVII(1)/2010 दिनांक 16 नवम्बर, 2010 में प्राप्त दिशा निर्देश के अनुसार जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0एस0वल्दिया)

उप सचिव।

प्र0संख्या- 644(1)/XXII/2010, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- प्रमुख सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 6- एन.आई.सी., सचिवालय परिसर।
- 7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(डा0 शैलेश कुमार पन्त)

अनु सचिव।